DPB – 510 HIN

M.A. Final (Hindi) Year Degree Examination, August/September 2008
Directorate of Correspondence Course
Paper – V : Prachin Aur Madhyakalin Hindi Kavya
प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

1. निम्नलिखित में से दो पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(10×2= 20)**

अ) देख देख राधा रूप अपार।
अपरूब के बिहि आनि मिरलाओल।
खिति-तल लावनियसार
अंगहि अंग अनंग मुरछायत।
हेरए पड़ए अधीर
मनमथ कोटि मथन करु जे जन, से
हेरि महि मधि गीर
कत-कत लखिमि-चरन-तल नेओछए।
रंगिनि हेरि विभोरि।
करु अभिलाख मनहिं पद पंकज।
अहिनिसि कोर अगोरि।

आ) हेरत हेरत हे सखी, रह्या कबीर हिराइ।
बूँद समानी समंद मैं, सो कत हेरी जाइ॥
कबीर कूता राम का, मुतिया मेरा नाउँ।
गलै राम की जेवड़ी, जित खैंचे तित जाउँ॥

इ) हम तो नंदघोष की बासी।
नाम गोपाल, जाति कुल गोपहि, गोप गोपाल-उपासी॥
गिरिवरधारी गोधनचारी, वृंदाबन-अभिलासी।
राजानंद, जसोदा रानी, जलधि नदी जमुना सी॥
प्रान हमारे परम मनोहर कमलनयन सुखरासी।
सूरदास प्रभु अहौं कहाँ लौं अष्ट महासिधि दासी॥

P.T.O.

ई) तुम्ह अति कीन्हि मोरि सेवकाई । मुख पर केहि बिधि करौं बड़ाई ॥
तातें मोहि तुम्ह अति प्रिय लागे । मम हित लागि भवन सुख त्यागे ।
अनुज राज संपति बैदेही । देह गेह परिवार सनेही ।।
सब मम प्रिय नहिं तुम्हहि समाना । मृषा न कहउँ मोर यह बाना ।।
सब कें प्रिय सेवक यह नीती । मोरें अधिक दास पर प्रीती ।।

II. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (10×5=50)

1) विद्यापति के काव्य सौंदर्य पर प्रकाश डालिए ।
2) विद्यापति की राधा पर एक लेख लिखिए ।
3) कबीर की भक्ति भावना का विवेचन कीजिए ।
4) कबीर के दार्शनिक विचारों का आकलन कीजिए ।
5) जायसी कृत 'पद्मावत' के महाकाव्यत्व पर विचार कीजिए ।
6) रामचरितमानस के उत्तरकाण्ड की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।
7) भ्रमरगीत परंपरा में सूर के भ्रमरगीत का स्थान निर्धारित कीजिए ।
8) पठित दोहों के आधार पर बिहारी की प्रेम भावना का आकलन कीजिए ।

DPB – 520 HIN

M.A. Final (Hindi) Examination, August/September 2008
Directorate of Correspondence Course (Repeaters)
Paper – VI : BHASHA VIGNAN AUR HINDI BHASHA KA ITIHAS

Time : 3 Hours | Max. Marks : 70

सूचना: प्रत्येक खण्ड से तीन-तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए । पाँचवा और दसवाँ प्रश्न अनिवार्य है ।

प्रथम खण्ड (10×2=20)

1. भाषा विज्ञान का व्याकरण, साहित्य, और मनोविज्ञान से संबंध स्थापित कीजिए ।
2. भाषाविज्ञान के लक्षण को समझाते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
3. भाषा में परिवर्तन की विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए ।
4. रूप परिवर्तन दिशाएँ बताते हुए रूप परिवर्तन के कारणों की सोदाहरण मीमांसा कीजिए ।
5. किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : (5×3=15)
   अ) भाषा की परिभाषा ।
   आ) भाषा-विज्ञान की शाखाएँ ।
   इ) भाषाविज्ञान और व्याकरण ।
   ई) हिन्दी की बोलियाँ ।
   उ) ध्वनि नियम ।

द्वितीय खण्ड (10×2=20)

6. हिन्दी भाषा में अर्थ विस्तार की दिशाएँ स्पष्ट कीजिए ।
7. हिन्दी के विकास की रूपरेखा स्पष्ट कीजिए ।
8. नागरी लिपि के वैज्ञानिक गुणों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए ।
9. हिन्दी के शब्द - भंडार पर एक लेख लिखिए ।
10. किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : (5×3=15)
    अ) भारत की प्राचीन लिपियाँ ।
    आ) अर्थ की परिभाषा ।
    इ) खड़ीबोली ।
    ई) भाषा और लिपि में अंतर ।
    उ) हिन्दी के सर्वनामों का विकास ।

____

DPB – 530 HIN

M.A. Final (Hindi) Examination, Aug./September 2008
Directorate of Correspondence Course
Paper – VII : BHARATIYA AUR PASCHATYA KAVYA SHASTRA
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Time: 3 Hours | Max. Marks: 70

सूचना: 1) प्रत्येक खंड से तीन तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2) पांचवाँ, दसवाँ, प्रश्न अनिवार्य है।

खण्ड 'अ' **(10×2=20)**

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा पर प्रकाश डालिए।
2. काव्य प्रयोजन संबंधी भारतीय आचार्यों के मतों को स्पष्ट कीजिए।
3. वक्रोक्ति संप्रदाय की समीक्षा कीजिए।
4. अलंकार संप्रदाय के विकास क्रम का परिचय दीजिए।
5. काव्य-हेतुओं पर भारतीय विद्वानों के मतों का आकलन कीजिए।
6. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : **(5×3=15)**

अ) काव्य की आत्मा।
आ) रस निष्पत्ति सूत्र।
इ) काव्य के रूप।
ई) रीति की उत्पत्ति।
उ) महा काव्य।
ऊ) सत्यं, शिवम्, सुन्दरम्।

P.T.O.

खण्ड 'आ' (10×2=20)

7. अरस्तु के विरेचन सिद्धान्त का परिचय दीजिए।

8. पाश्चात्य आलोचना की विकास यात्रा पर एक लेख लिखिए।

9. टी.एस. इलियट की आलोचना पद्धति का विश्लेषण कीजिए।

10. आई.ए. रिचर्ड्स् के मूल्य सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

11. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : (5×3=15)

अ) होरेस।

आ) मैथ्यु अर्नाल्ड।

इ) अभिव्यंजनावाद।

ई) आदर्शवाद।

उ) उदात्त तत्व।

ऊ) अनुकरण सिद्धान्त।

AUGUST SEPTEMBER
EXAM

DPB – 540 HIN

M.A. Final Year (Hindi) Examination, August/September 2008
Directorate of Correspondence Course
Paper – VIII : HINDI PATRAKARITA
हिन्दी पत्रकारिता

Time : 3 Hours | Max. Marks : 70

सूचना : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
नवां प्रश्न अनिवार्य है। **(15×4=60)**

1. आधुनिक समाचार माध्यमों में समाचार पत्र का महत्व क्या है ? समझाइए।
2. पत्रकारिता के दायित्व और लक्ष्य पर प्रकाश डालिए।
3. पत्रकारिता के विविध रूपों की चर्चा कीजिए।
4. हिन्दी पत्रकारिता के उद्भव और विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
5. संपादन कार्य के वैज्ञानिक एवं कलात्मक पहलुओं का विश्लेषण कीजिए।
6. हिन्दी की प्रमुख पत्रिकाओं का उल्लेख करते हुए यह बताइए कि हिन्दी साहित्य के विकास में उनका अंशदान क्या है ?
7. संवाददाता की योग्यताओं का उल्लेख करते हुए यह बताइए कि उसकी कितनी श्रेणियाँ हैं ?
8. समाचार मूल्य का मतलब क्या है ? सिद्ध कीजिए कि समाचार पत्र के संपादन की सफलता में समाचार मूल्य का बड़ा महत्व है।
9. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : **(5×2=10)**
   1) हिन्दी के प्रमुख पत्रकार।
   2) समाचार पत्रकारिता के मूल - तत्व।
   3) संपादकीय टिप्पणी।
   4) प्रजातंत्र में पत्रकारिता का दायित्व।